UNIVERSITY NEWS 08 APRIL 2026

DAINIK JAGRAN

बौद्धिक संपदा अधिकार नीति से होगी नवाचारों की रक्षा

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने व्यापक बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) नीति बनाई है। इसके तहत नवाचार की रक्षा, अनुसंधान को सुदृढ़ और अपने शैक्षणिक समुदाय के बीच न्यायसंगत लाभ-साझा किया जाएगा। इसके लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन (आइपीएम) सेल की स्थापना की जाएगी, जो विश्वविद्यालय के भीतर उत्पन्न होने वाली सभी बौद्धिक संपदा के संरक्षक के रूप में कार्य करेगी। इस नीति को विद्या परिषद से पारित किया जा चुका है।

आइपीआर में शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, सहयोगियों और वित्तपोषण एजेंसियों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया गया है। लवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि इससे रचनात्मकता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और बौद्धिक संपदा शासन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप कार्य किया जाएगा। इसके तहत गठित बौद्धिक संपदा प्रबंधन सेल पेटेंट फाइलिंग, लाइसेंसिंग और

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए केंद्रीय निकाय के रूप में कार्य करेगा। यह सेल कानूनी विशेषज्ञों की नियुक्ति, समझौतों का मसौदा तैयार करने और दस्तावेजीकरण के माध्यम से सुरक्षा प्रक्रिया को सरल बनाएगा। विश्वविद्यालय अपने संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए पेटेंट प्रक्रिया के पहले चरण से लेकर अंतिम चरण तक का पूरा खर्च वहन करेगा। इसके लिए एक विशेष आइपीआर फंड बनाया गया है। यह नीति पेटेंट, कापीराइट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, जैव प्रौद्योगिकी आविष्कार, पौधों की किस्मों, भौगोलिक संकेतों (जीआइ) और पारंपरिक ज्ञान सहित बौद्धिक संपदा की एक विस्तृत श्रृंखला को मान्यता देगी। बौद्धिक संपदा से होने वाले लाभों को बराबर वितरण किया जाएगा।

गोपनीयता के महत्व पर भी दिया गया जोर : कुलपति प्रो. सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों का उपयोग करके उत्पन्न बौद्धिक संपदा का स्वामित्व रखेगा, लेकिन आविष्कारकों को उनके योगदान के लिए मान्यता दी जाएगी। अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं के लिए भी पारदर्शी व्यवस्था की गई है। नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए, नीति विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उद्योग संपर्क और स्टार्टअप इंक्यूबेशन को बढ़ावा देती है। इसमें गोपनीयता के महत्व पर भी जोर दिया गया है।

DAINIK JAGRAN

प्रयोगात्मक परीक्षाएं चार से

लखनऊ : लवि के जंतु विज्ञान विभाग ने बी.एससी व एम.एससी की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया के अनुसार बी.एससी चौथे सेमेस्टर जेनेटिक्स एंड जिनोमिक्स की प्रयोगात्मक परीक्षा चार मई को, चौथे सेमेस्टर की सात मई और दूसरे सेमेस्टर की यह परीक्षा नौ मई को होगी। एम.एससी दूसरे सेमेस्टर जूलाजी की प्रयोगात्मक परीक्षा चार व सात मई को होगी। वि.

विद्यार्थियों को मिलेगा इंटर्नशिप का मौका

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने विद्यार्थियों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) और एस्पायर कंसल्टेंट्स की ओर से समर इंटर्नशिप का मौका दिया है।

प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि एनएचएआइ की ओर से संचालित समर इंटर्नशिप के अंतर्गत इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी, मास कम्युनिकेशन एवं अन्य विषयों के अंतिम वर्ष के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। यह इंटर्नशिप मई से जुलाई तक दो माह के लिए होगी, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय राजमार्ग विकास, डिजिटल सिस्टम तथा सार्वजनिक अवसंरचना से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसमें चयन प्रक्रिया अभ्यर्थियों की प्राथमिकताओं एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर की जाएगी। वि

AMAR UJALA

लविवि: प्रयोगात्मक परीक्षाएं चार मई से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी पहले, चौथे और छठे सेमेस्टर में प्रयोगात्मक परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। ये प्रयोगात्मक परीक्षाएं मई में 4, 7 और 9 तारीख को सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जाएंगी। दूसरी ओर एमएससी में दूसरे और चौथे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 4 मई से 7, 9, 11, 12, 15 और 16 मई को आयोजित की जाएंगी। इस बारे में प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे निर्धारित किया गया है। (संवाद)

AMRIT VICHAR

प्रो. विनीता कावर पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान का स्वागत करते हुए।

मेंटल हेल्थ मैटर्स पर व्याख्यान आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के आईएमएस ने 'मेंटल हेल्थ मैटर्स: ब्रेकिंग द स्टिग्मा एंड प्रमोटिंग अंडरस्टैंडिंग' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) ने अपने सेमिनार हॉल में 'मेंटल हेल्थ मैटर्स: ब्रेकिंग द स्टिग्मा एंड प्रमोटिंग अंडरस्टैंडिंग' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। आईएमएस की ओएसडी प्रोफेसर विनीता कावर ने वक्ता प्रोफेसर मधुरिमा प्रधान मनोविज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष का स्वागत किया। प्रो. मधुरिमा प्रधान ने मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से इसे बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की। सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के आईएमएस के संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. जॉली रस्तोगी ने किया।

HINDUSTAN

एनएचएआई में इंटर्नशिप का अवसर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और एस्पायर कंसल्टेंट्स में समर इंटर्नशिप के लिए आवेदन मांगे हैं। एनएचएआई में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विधि, आईटी व अन्य विषयों के अंतिम वर्ष के छात्र भाग ले सकते हैं। यह मई से जुलाई तक दो माह की होगी, जिसमें ₹20,000 प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलेगा।

एलयू में बनी आईपीआर सेल, पेटेंट का खर्च उठाएगी

लखनऊ। एलयू ने आईपीआर नीति को मंजूरी दे दी है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अगुवाई में विद्या परिषद से पारित यह नीति नवाचारों के संरक्षण, शोधकर्ताओं के हितों को सुरक्षित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। नीति के तहत एक समर्पित आईपीएम सेल का गठन किया गया है जो पेटेंट फाइलिंग और लाइसेंसिंग के लिए केंद्रीय निकाय के रूप में कार्य करेगा। खर्च उठाएगी।

TIMES OF INDIA

LU announces patent policy for students, staff

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University announced its Intellectual Property Rights (IPR) policy on Tuesday, under which it will now cover patent filing fees for the faculty and students, which were previously borne by the individuals themselves.

A dedicated intellectual property management (IPM) cell has also been established, which will act as the custodian of all intellectual property generated at the university, said vice-chancellor, JP Saini.

IPM cell coordinator Prof Geetanjali Misra stated that the cell will oversee patent filings, licensing, technology transfer, drafting agreements, appointing legal experts, maintaining documentation and educating faculty, students and staff about IPR.

NBT

LU में होगा हर दिन योगा

■ NBT **रिपोर्ट, लखनऊ** : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्र शिक्षक व कर्मचारियों को हर दिन योग करवाया जाएगा। इसके लिए विवि की ओर से अब दोनो कैंपसों में हर दिन योग सेशन आयोजित किए जाएंगे। हॉस्टल के छात्रों के लिए हर दिन हॉस्टलों में योगा की व्यवस्था की गई है। जबकि न्यू और ओल्ड कैंपस में योगा के लिए लॉन में सेशन आयोजित किए जाएंगे। मंगलवार से एलयू में इसकी शुरुआत की गई। विवि के छात्र अधिष्ठाता कार्यालय और योग व अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग की ओर से यह शुरुआत की गई है।

■ विश्वविद्यालय की ओर से की गई नई शुरुआत
■ योग विभाग की ओर से दो हॉस्टल और दो लॉन में होगा योगा सेशन

डीएसडब्ल्यू प्रो. अमिता कन्नौजिया ने बताया कि विवि के योग विभाग के प्रशिक्षक व रिसर्च स्कॉलर्स की ओर से हर दिन योगा का सेशन योजित किया जाएगा। यह किसी विशेष अवधि के लिए नहीं बल्कि हर दिन यह प्रशिक्षण होगा। एलयू कैंपस में छात्राओं के लिए कैलाश हॉस्टल में और छात्रों के लिए सुभाष हॉस्टल में योगा सेशन आयोजित किए जाएंगे। सुबह साढ़े छह से साढ़े सात बजे के बीच यह सेशन होंगे।

NBT

CCTV की निगरानी में होंगे LU के प्रैक्टिकल

■ NBT **रिपोर्ट, लखनऊ** : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज अब प्रैक्टिकल में किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा नहीं कर सकेंगे। विवि परिसर से लेकर सभी कॉलेजों में अब सीसीटीवी की निगरानी में प्रैक्टिकल कराए जाएंगे। अभी तक एलयू की परीक्षाएं ही सीसीटीवी सर्विलांस में कराई जाती थी लेकिन अब प्रैक्टिकल परीक्षाओं में भी सीसीटीवी सर्विलांस लागू कर दिया गया है। इसके चलते सभी कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने अपने कॉलेज में अगर व्यवस्था नहीं है तो सीसीटीवी सर्विलांस रूम की व्यवस्था करेंगे। अगले महीने से एलयू में प्रैक्टिकल परीक्षाओं की शुरुआत होने जा रही है जिसमें नई व्यवस्था के तहत ही प्रैक्टिकल आयोजित किए जाएंगे। विवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विवि की ओर सभी कॉलेजों को आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि सभी कॉलेज सीसीटीवी में प्रैक्टिकल की परीक्षाएं कराएंगे। इसके बाद कॉलेजों को तीन महीने तक सीसीटीवी की रेकॉर्ड सुरक्षित रखनी होगी। विवि की समय समय पर कॉलेजों की रैंडम रेकॉर्डिंग देखी जाएगी। इसके अलावा अगर किसी कॉलेज के खिलाफ कोई शिकायत आती है तो उसकी जांच में सीसीटीवी की रेकॉर्डिंग चेक की जाएगी।

■ विवि की ओर से जारी किया गया आदेश
■ कॉलेजों में भी प्रैक्टिकल सीसीटीवी की निगरानी में होगे

शिक्षकों के पेटेंट का खर्च अब उठाएगा एलयू

■ NBT **रिपोर्ट, लखनऊ** : लखनऊ विश्वविद्यालय अब शिक्षक व छात्रों के लिए पेटेंट करवाना आसान हो गया है। अब विश्वविद्यालय के किसी भी शिक्षक या छात्र को अपना आविष्कार पेटेंट करवाने के लिए अपनी जेब ढीली नहीं करनी होगी। पेटेंट फाइल करने के पहले चरण से लेकर उसके पंजीकरण के अंतिम चरण तक की पूरी प्रक्रिया में होने वाले खर्च का वहन अब लखनऊ विश्वविद्यालय खुद करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नई इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति में अब यह प्रावधान किया गया है।

AMAR UJALA

पेटेंट के लिए बजट देगी एलयू

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब शिक्षकों व विद्यार्थियों की ओर से किए जाने वाले नवाचार व आविष्कार के पेटेंट में आने वाला खर्च खुद उठाएगा। इसके लिए विवि में पहली बार बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) नीति लागू कर दी गई है। खास बात ये है कि विवि संसाधनों का उपयोग कर उत्पन्न बौद्धिक संपदा का स्वामित्व तो रखेगा, लेकिन आविष्कारकों को उनके योगदान के लिए मान्यता दी जाएगी। साथ ही विवि के इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उद्योग संपर्क और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को बढ़ावा मिलेगा। इसमें डिस्क्लोजर प्रक्रिया लागू है। इससे समय से पहले प्रकाशन के कारण पेटेंट की संभावना प्रभावित नही होगी।

विवि के प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि आईपीआर नीति विवि में पहली बार लागू की गई है। इस नीति को विद्या परिषद से पारित किया जा चुका है। बता दें कि अभी तक पेटेंट कराने में ही 70 हजार से लेकर एक लाख तक का बजट खर्च हो जाता था।

वहीं, अब इस नीति के तहत बौद्धिक संपदा प्रबंधन सेल का गठन हुआ है। यह सेल पेटेंट फाइलिंग, लाइसेंसिंग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए केंद्रीय निकाय होगा।

साथ ही एक विशेष आईपीआर फंड बनाया गया है। यह नीति बौद्धिक संपदा से होने वाले लाभों के नियम के तहत वितरण में मदद करेगी। इसके व्यवसायीकरण से होने वाली कमाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सीधे आविष्कारकों के खाते में मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार लागू हुई बौद्धिक संपदा अधिकार नीति

> यह सेल अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच एक सेतु का काम करेगी। हमारा लक्ष्य यह देखना है कि विश्वविद्यालय के नवाचार न केवल सुरक्षित हो, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के लिए मूर्त लाभ हासिल हो सके। – **प्रो. गीतांजलि मिश्रा,** समन्वयक, आईपीएम सेल

> नई आईपीआर नीति अकादमिक स्वतंत्रता और जिम्मेदार नवाचार के बीच संतुलन बनाने के लिए तैयार की गई है। इससे जहां हमारे शोधकर्ता सुरक्षित रहेंगे वहीं उनके नवाचारों का लाभ समाज को मिलेगा।– **प्रो. जेपी सैनी,** कुलपति, लविवि

इंटर्नशिप... लविवि ने 15 अप्रैल तक मांगे आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय व कॉर्पोरेट स्तर की इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 15 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है।

प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत यह इंटर्नशिप मई से जुलाई तक दो माह की अवधि की होगी। चयनितों को 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

वहीं, एस्पायर कंसल्टेंट्स की ओर से मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में समर इंटर्नशिप के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। यह इंटर्नशिप 45 से 60 दिनों की अवधि की होगी, जिसमें चयनित विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा। (संवाद)